यूजीसी - नैक समिति ने पूसा संस्थान का भ्रमण कर किया मूल्यांकन

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान जिसे पूसा संस्थान के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक उच्च शिक्षण संस्थान है । इस संस्थान को बने हुए सौ वर्ष से भी अधिक हो चुके हैं। इसकी स्थापना से अब तक संस्थान एक उच्च शिक्षण संस्थान के रूप मे काम करता रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने संतुलित ढंग से शिक्षा क्षेत्र के लिए अनुकूल निविष्टियों, प्रक्रिया, उत्पादन, परिणाम एवं एकीकृत दृष्टिकोण को अपनाया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के कार्यप्रणाली एवं मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एन॰ ए॰ए॰सी॰) की पीयर टीम 8-11 अगस्त 2016 तक संस्थान का निरीक्षण करेगी। इस पीयर टीम का नेतृत्व मद्रास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एस॰पी॰ त्यागराजन करेंगे। संस्थान की ओर से डॉ॰ रविन्द्र कौर (निदेशक- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान), डॉ॰ आर॰ के॰जैन (डीन, संयुक्त निदेशक-शिक्षा), डॉ॰ के॰ वी॰ प्रभु (संयुक्त निदेशक-शोध) एवं श्रीमति शशि प्रभा राज़दान(संयुक्त निदेशक-प्रशासन एवं रजिस्ट्रार) मूल्यांकन मे सहयोग दिया।

संस्थान का मूल्यांकन पीयर समिति द्वारा 50 प्रमुख मूल्यांकन संकेत के अनुरूप किया जाएगा। जैसे कि- पिछले तीन वर्षों मे कितने प्रतिशत कोर्स के पाठ्यक्रम मे बदलाव हुआ?, विभिन्न पाठ्यक्रमो की लौकिक योजना किस प्रकार की है?, कितने प्रतिशत शिक्षक पी॰एच॰डी॰ उपाधि धारक हैं?, छात्र एवं कम्प्युटर अनुपात, छात्र- शिक्षक अनुपात, क्या संस्थान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रमाणित है?, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छात्रों एवं शिक्षकों की उत्कृष्ट उपलब्धियां क्या हैं?

इन सभी सूचकों के अतिरिक्त अन्य वांछित सूचकों के आधार पर भी संस्थान का मूल्यांकन किया जाएगा जैसे कि खेल के क्षेत्र मे छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, पाठ्यक्रम मे संशोधन के लिए छात्रो, पूर्व छात्रों एवं माता-पिता कि प्रतिक्रिया का समायोजन, कितने प्रतिशत शिक्षकों एवं छात्रों को अंतर राष्ट्रीय फेलौशिप मिली?, छात्रों का औसत सफलता प्रतिशत, शिक्षा का औसत खर्च आदि।

ज्ञात रहे कि पिछले (2009-2014) वर्ष के मूल्यांकन के समय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान को सर्व श्रेष्ठ कृषि विश्व विद्यालय का पद (AAAA+) मिला एवं ब्रिक्स देशों के सौ बेहतरीन विश्व विद्यालयों मे संस्थान ने अपना स्थान सुनिश्चित किया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान मे 26 विषयों मे शिक्षण एवं शोध कार्य किया जाता है ।

संस्थान को भा. कृ. अनु. प.- राष्ट्रीय कृषि शिक्षण प्रत्यायन बोर्ड के द्वारा भी 5 वर्षों (2015-2020) के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन किया जा चुका है। इस समिति के अध्यक्ष डॉ. पी. एल. गौतम (पूर्व कुलपति - जी. बी. पन्त. कृषि विश्वविद्यालय) थे। इस समिति ने 24 -26 नवम्बर 2014 को भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान का भ्रमण कर मूल्यांकन किया था।